metadata, citation and similar papers at core.ac.uk
brought to you by CORE
provided by CMFRI Digital Repository

बंगाल की खाडी में चेन्नई तट पर पोम्पानो डोल्फिन, *कोरिफाइना इक्विसेलिस* (लिन्नस, 1758) की पहली रिकोर्ड

चेन्नई मात्स्यिकी बंदरगाह में 05-09-2009 कोयंत्रीकृत यान द्वारा पोम्पानो, *कोरिफाइना इक्विसेलिस* की 15 नमूनों का भारी अवतरण हुआ। साधारणतथा यंत्रीकृत गिलनेट चेन्नई से आंध्रा प्रदेश की ओर 30-50 मी की गहराई और 30-40 कि मी दूरी तक प्रचालन करता है। आनाय जाल और यंत्रीकृत गिलनेट चेन्नई तट के मुख्य मत्स्यन संभार होने के बाद कोरिफाइनिडे परिवार के अंतर्गत आनेवाली मछलियाँ नियमित अवतरण का एक हिस्सा बन गया। आम तौर पर इस तट की नियमित मछली पकड में सामान्य डोल्फिन मछली, *कोरिफाइना हिप्पूरस* की है। *सी. एक्विसेली* (चित्र 1) बहुत दुर्लभ है और अक्सर मछुआरे और मत्स्य जीव विज्ञानियों ने गलती से इसे डोल्फिन *सी. हिप्परस* के रूप में पहचाना होगा। अभी तक यह जाति इस तट में शामिल होते हुए रिकोर्ड नहीं की गया, शायद इसकी समुद्री उपस्थिति के कारण ही ये विरल रूप से समुद्र तट के समीप दिखाए पडते है। यह जाति उत्तरी दक्षिण अमरिका की महत्वपूर्ण खेल मछली है (फिशबेस)। रिपोर्ट के अनुसार 75 से मी आकार पानेवाली यह जाति की वयस्क मछली आम डोल्फिन मछली, *सी हिप्परस* की तुलना में महासागरीय मछली के है। यह जाति झुंडों में चलनेवाली है, जो चलती नावों का अनुक्रमण करती और कभी कभी खुले समुद्र के ऊपर तैरते वस्तुओं के नीचे पायी जाती है। यह छोटी मछलियों और समुद्री स्क्विडों को खाते है। अंडजनन समुद्र में होता है और अंडे और लार्वें वेलापवर्ती होते है। इसको हमेशा ताज़ा हालत में विपणन किया जाता है और उत्कृष्ट भोज्य मछली माना जाता है।

चित्र 1- कोरिफाइना इक्विसेलिस

15 नमूनों के लंबाई माप लिया गया था। कुल लंबाई 232 और 321 मि मी के बीच है जिसका औसत लंबाई 289.0 ± 26.36 मि मी और औसत भार 202 ग्रा के साथ भार 137 और 251 ग्रा के बीच था जिसका लिंग अनुपात मादा के लिए 25 % और नर के लिए 75 % देखा गया। अधिकांश अंडाशय परिपक्व अवस्था के देखे गए।

रिपोर्टर

एस. मोहन, जी. श्रीनिवासन और आर. वासू

सी एम एफ आर आइ मद्रास अनुसंधान केंद्र, चेन्नई